## विचार प्रवाह

# अराजकता का पथ : जब भीड़ ही नियम बन जाए

सड़क पर उतरते ही जिस विवेकहीन और उच्छृंखल अराजकता से प्रतिदिन हमारा साक्षात्कार होता है, वह अंततः हमारे भीतर के संस्कार-शून्य समाज का ही नग्न प्रकटीकरण है। यह सभ्यता का मार्ग नहीं। यह कोई संयत संसार नहीं। हमारी सड़कें भीषरी चेतनाओं और हिंसक प्रवृत्तियों का अखाड़ा बन चुकी हैं, जहाँ नियम-कानून नहीं, बल्कि भीड़ की मनमानी ही सर्वोपरि व्यवस्था मान ली गई है।

यहाँ विभिन्न वाहनों पर सवार मनुज किसी भी प्रकार के नागरिक-बोध, आत्म-नियंत्रण और परोपकार-भाव को तिलांजलि देकर केवल अपनी गति और अहंकार के हितसाधन में रत दिखाई पड़ते हैं। लाल बत्ती की अवहेलना करना, उल्टी दिशा में वाहन घुसा देना, और राहगीरों के प्राणों को संकट में डालकर दो क्षण आगे निकल जाना ही मानों इनका इकलौता पुरुषार्थ बन गया है।

जब हर दूसरा व्यक्ति मर्यादा तोड़ रहा हो, तो समाज उसे ही अपनी स्वाभाविक व्यवस्था मान लेता है। दूसरों के अधिकारों को रौंदना और गतिसीमा को धत्ता बताना ही इनका दैनिक आचरण है। इनकी नागरिक आत्माओं ने इन्हें लज्जित करना और कचोटना बंद कर दिया है। यह अनुशासनहीनता, अधीरता और अनियंत्रित कोलाहल का घटाटोप किसी सभ्य समाज का प्रतिबिंब नहीं हो सकता!

जब-जब मैंने सड़कों पर लोगों को सब ऐसा ही करते हैं कहकर नियमों का उल्लंघन करते देखा, मन भारी ग्लानि से भर गया। सड़क का यह विकृत व्यवहार उसी अंधी और उन्मादी भीड़ की भाषा बोलता है, व्यवस्था और मर्यादा की नहीं। चौराहे पर खड़े होकर जब हम देखते हैं कि एक व्यक्ति ने नियम तोड़ा और उसके पीछे पूरी कतार चल पड़ी, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमने विवेक का त्याग कर अराजकता को ही अपना मार्गदर्शक चुन लिया है।

सच यह है कि भीड़ का यह उतावलापन समाज को केवल दुर्घटना, पीड़ा और मृत्यु के सिवा कुछ नहीं दे सकता। यदि अस्सी फ़ीसदी लोग उल्टी दिशा में गाड़ी चलाते हों या लाल बत्ती कूदते हों, तो क्या बहुमत के उस अपराध से वह अनुचित कृत्य सही हो जाएगा? मानो अधिक संख्या में लोग मर्यादा तोड़ें, तो संख्याबल के दबाव से ही वह बर्बरता न्यायसंगत नियम बन जाती हो!

यातायात के नियम मात्र दण्ड के भय या चालान की रसीद तक सीमित कोई बाहरी बाध्यता नहीं हैं; वे मूलतः मनुष्य के नैतिक संस्कार, आत्म-संयम और सह-अस्तित्व की मौन स्वीकृति हैं। जब आप बिना किसी सिपाही या कैमरे की निगरानी के भी चौराहे पर लाल बत्ती देखकर रुकते हैं, तब आप भीड़ के उस सामूहिक पागलपन को नकारते हैं और अपनी अंतरात्मा के सम्मुख खरे उतरते हैं। वही क्षण आपके मनुष्य होने और इस अराजक पथ से विमुख होकर सभ्य कहलाने का सच्चा प्रमाण होता है।

मेरी दृष्टि पूर्णतः स्पष्ट है। यह हॉर्न का कर्कश शोर, दूसरों को कुचलकर आगे निकल जाने की पाशविक होड़, और %सब कर रहे हैं तो मैं क्यों नहीं% की आड़ में सामूहिक अपराध का हिस्सा बनने वाली असंवेदनशीलता मुझे कभी स्वीकार्य नहीं हो सकती। जहाँ भीड़ ही नियम तय करने लगे, मैं उस व्यवस्था और उस विकृत मानसिकता से स्वयं को पूरी तरह विलग करता हूँ।

जो लोग सड़क पर मर्यादा के पालन को कायरता और भीड़ की गुंडागर्दी को अपना अधिकार समझते हैं, वे इस आत्म-मंथन से दूर ही रहें। सड़क पर संयम कोई औपचारिकता नहीं, एक बुनियादी मानवीय संस्कार है–और जो इस मर्म को नकारकर अराजकता के पथ पर ही दौड़ना चाहते हैं, वे अपनी आत्मघाती स्वेच्छाचारिता के गर्त में गिरने के लिए स्वतंत्र हैं!

– राजकुमार जैन, यातायात प्रबंधन कार्यकर्ता

## बाल सभा में दिपावली पर्व का मनाया



इंदौर (इं)। घर घर प्यार के दीप जले, नफरत का अंधेरा मिटे।उक्त पंक्तियों से बाल साहित्यकार नयन राठी ने शास. शारदा कन्या मा.विद्यालय क्र.2 में विद्यार्थियों के साथ बाल सभा में दिपावली पर्व मनाया। राठी ने विद्यार्थियों को पटाखे फोड़ते समय क्या क्या सावधानी बरतनी चाहिए ये भी बताया। राठी ने अपने द्वारा बनाया गया दीप पर्व शुभकामना पोस्टर भी प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों ने भी कविता कहानी सुनाई।बाल सभा समापन पर विद्यार्थियों एवं विद्यालय प्रबंधन को बाल पत्रिका चिरैया भेंट की गई।




### अर्द्धवार्षिक परीक्षा के टाइम-टेबल में बदलाव, अब 1 दिसंबर को होंगे विज्ञान-गणित के पेपर

# 28 नवंबर के चार विषयों की तारीख बदली, 18 नवंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं

इन्दौर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के टाइम-टेबल में आंशिक संशोधन किया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल ने 28 नवंबर को निर्धारित कुछ विषयों की परीक्षाएं अब 1 दिसंबर को कराने के आदेश जारी किए हैं।

संशोधित कार्यक्रम के तहत कक्षा 9वीं का विज्ञान, 10वीं के एनएसक्यूएफ विषय, 11वीं का गणित और 12वीं का समाजशास्त्र का पेपर नई तारीख पर होगा, वहीं परीक्षाएं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही शुरू होंगी। परीक्षा के दौरान नियमित पढ़ाई और अगली परीक्षा की तैयारी के बीच तालमेल बनाना स्कूल प्रबंधन के लिए चुनौती रहेगा।

संशोधित टाइम-टेबल के अनुसार 28 नवंबर को होने वाली परीक्षाएं अब 1 दिसंबर को आयोजित की जाएंगी। इसमें कक्षा 9वीं का विज्ञान और कक्षा 10वीं के एनएसक्यूएफ विषय का पेपर सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक होगा, वहीं दूसरी पाली में कक्षा



11वीं का गणित और 12वीं का समाजशास्त्र विषय का पेपर दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कक्षा 9वीं के संस्कृत और उर्दू तथा कक्षा 10वीं के सामाजिक विज्ञान के पेपर की तारीख में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ये परीक्षाएं 21 नवंबर को ही होंगी।

### परीक्षा का कार्यक्रम और समय

कक्षा 9वीं और 10वीं की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं 21 नवंबर से शुरू होकर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होंगी। इनका समय सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। कक्षा 11वीं और 12वीं की परीक्षाएं 18 नवंबर से शुरू होकर 10 दिसंबर तक चलेंगी। इनकी परीक्षा दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी।

**परीक्षा के दौरान भी लगेंगी विशेष कक्षाएं**

जिला शिक्षा अधिकारी शौर्य मल्होत्रा के अनुसार, परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए पेपर समाप्त होने के बाद अगले विषय की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाएंगी। एक ही स्कूल में दोनों पालियों में परीक्षाएं आयोजित होने के कारण कक्षों, शिक्षकों और अन्य व्यवस्थाओं का समन्वय भी करना होगा। विद्यार्थियों को परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य रहेगा। उत्तर-पुस्तिकाएं परीक्षा शुरू होने से 10 मिनट पहले और प्रश्न-पत्र 5 मिनट पहले दिए जाएंगे।

# भारत सरकार जानवरों पर होने वाले E&periments के नियमों में बदलाव करने जा रही

इन्दौर। भारत सरकार ने Prevention of Cruelty to Animals Act के तहत जानवरों पर होने वाले प्रयोगों के नियमों में बदलाव का ड्राफ्ट जारी किया है। देखने में यह एक सामान्य कानूनी प्रक्रिया लगती है, पर इसके अंदर छिपा सच बेजुबान जानवरों के लिए मौत का फरमान है।

### ड्राफ्ट में क्या है जो डरा रहा है?

1. कॉस्मेटिक टेस्टिंग को फिर से इजाजत?

अब तक हमारे देश में जानवरों पर कॉस्मेटिक टेस्टिंग बैन है। भारत ने इस पर रोक लगाकर विश्व में मिसाल कायम की थी। लेकिन नए नियमों के मुताबिक इसकी इजाजत फिर से मिल सकती है। यानी लिपस्टिक और क्रीम के लिए फिर से खरगोशों की आंखों में केमिकल डाला जाएगा।

### 2. सरकारी परमिशन की अनिवार्यता खत्म?

अब तक जानवरों पर लैब ट्रायल के लिए कड़ी सरकारी अथॉरिटी (CPCSEA) से परमिशन लेनी पड़ती थी। नए ड्राफ्ट के मुताबिक अब सिर्फ कुछ ही मामलों में सरकारी परमिशन की जरूरत होगी। बाकी मामलों में लोकल Ethics Panel ही अप्रूवल दे देगा।

### इसका अर्थ क्या होगा?

- बेजुबान जानवर प्रयोगशालाओं में और ज्यादा आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे।
- जब लोकल पैनल को ही अप्रूवल की अथॉरिटी मिल जाएगी, तो कोई रोकने-टोकने वाला नहीं बचेगा।
- खरगोश, चूहे, बंदर और कुत्तों को लैब में छोटे-छोटे पिंजरों में बंद करके, बार-बार सुइयां चुभोकर जो क्रूरता होती है, उसे क्या कहेंगे अगर क्रूरता नहीं? राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के प्रचारक राजेश जैन दद्दू राकेश गोहिल, एवं मंयक जैन ने संयुक्त रूप से कहा कि

**सबसे बड़ा खतरा – भारत बनेगा प्रयोगों की मंडी!**

जिन देशों में Animal Testing मुश्किल और महंगा है, वे देश सस्ते में भारत की लैब्स का इस्तेमाल करेंगे। यानी विदेशी कंपनियों के प्रयोगों के लिए हमारे देश के बेजुबान जानवरों को काटा जाएगा। राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ ने कहा कि यह तो अहिंसा के सिद्धांत के बिल्कुल विपरीत है!

जानवरों को भी डर लगता है, उन्हें भी दर्द होता है, बस वो अपनी तकलीफ कह नहीं पाते। महावीर की इस धरती पर जहाँ चींटी को भी बचाया जाता है, वहाँ इस तरह के नियम? वरिष्ठ समाजसेवी डॉ जैनेन्द्र जैन ने कहा कि

### जागो अहिंसा प्रेमियों जागो!!

सरकार ने इस ड्राफ्ट पर जनता से आपत्ति दर्ज कराने के लिए 5 तारीख तक की डेडलाइन दी है। यह हमारे पास आखिरी मौका है।

QR Code स्कैन करके SCAN THE QR CODE TO RAISE YOUR VOICE पर अपनी आपत्ति दर्ज कराइए। यह आपकी आवाज जन बेजुबानों की आवाज बनेगी।

## पांच रूपए में सिंचाई बिजली कनेक्शन मिलने से छाई किसानों में खुशियां

**इंदौर।** इंदौर जिले के किसान श्री रमेश हो या धार के श्री बाबूलाल, देवास के श्री मांगीलाल हो या फिर अन्य जिलों के 12080 किसान... ये सब इस बात से प्रसन्न हैं कि किसान कल्याण वर्ष के रूप में उन्हें ऑन लाइन आवेदन देने एवं मात्र पांच रूपए जमा करने पर स्थाई बिजली कनेक्शन मिला है। कनेक्शन मिलने के बाद सिंचाई कार्य के लिए मप्र शासन की ओर से बिजली बिलों में सब्सिडी भी दी जा रही है। लाभान्वित किसान इस योजना के लिए सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित भी कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार किसानों के मदद के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं, चाहे दैनिक दस घंटे बिजली वितरण हो या ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता हो या किराए के ट्रांसफार्मर, ट्रांसफार्मरों का परिवहन व्यय इत्यादि ... सभी कार्य समय पर किए जा रहे हैं। प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने बताया कि शासन की योजना के अनुसार किसानों को पांच रूपए में स्थाई कनेक्शन भी दिए जा रहे हैं, ये कनेक्शन ऐसे स्थानों पर ऑन लाइन आवेदन पर त्वरित रूप से दिए जा रहे हैं, जहां लाइन विस्तार कार्य की कोई आवश्यकता नहीं होती हैं। प्रबंध निदेशक ने बताया कि योजना अंतर्गत कंपनी स्तर पर 12 हजार 80 किसानों को पांच रूपए में स्थाई कनेक्शन देकर लाभान्वित किया जा चुका हैं। इनमें इंदौर ग्रामीण वृत्त क्षेत्र के 553, रतलाम के 471, धार के 4429, देवास के 455, खरगोन 804, झाबुआ आलीराजपुर के 1246, खंडवा 451, शाजापुर 493, उज्जैन 811, मंदसौर 343, आगर में 355 किसान लाभान्वित हुए हैं। अन्य क्षेत्रों में भी पात्रतानुसार किसानों को पांच रूपए में सिंचाई के लिए स्थाई कनेक्शन की सौगात दी गई है।

## पांच साल बाद प्रदेश में 3062 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं का होगा चयन, 16 नवंबर से आवेदन

10वीं पास विवाहित महिलाएं कर सकेंगी ऑनलाइन आवेदन; 21 से 45 साल आयु सीमा, 16 दिसंबर आखिरी तारीख

**इंदौर (इं)।** प्रदेश में पांच साल बाद 3062 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इसके लिए 16 नवंबर से ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। इच्छुक महिलाएं 16 दिसंबर तक एमपी ई-सेवा पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगी। पूरी चयन प्रक्रिया मार्च 2027 तक पूरी करने का लक्ष्य है।

आवेदन के लिए महिला का संबंधित गांव की निवासी और विवाहित होना जरूरी है। उसकी उम्र 21 से 45 साल और शैक्षणिक योग्यता कम से कम 10वीं उत्तीर्ण होना चाहिए। चयन ग्रामवार निर्धारित पदों और तय प्राथमिकता मापदंडों के आधार पर होगा। केवल ऑनलाइन आवेदन ही मान्य किए जाएंगे।

**ग्रामसभा से जिला स्तर तक चलेगी प्रक्रिया**

आवेदन के बाद 17 से 25 दिसंबर तक प्राप्त आवेदनों को ग्रामसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ग्रामसभाएं 26 दिसंबर से 18 जनवरी 2027 तक चयन संबंधी प्रस्ताव अनुमोदित कर भेजेंगी। इसके बाद 19 जनवरी से 5 फरवरी तक विकासखंड स्तर पर दावे-आपत्तियों का निराकरण होगा। जिला स्तर पर 6 से 25 फरवरी तक अपीलों का निराकरण किया जाएगा।

जिला स्वास्थ्य समिति 26 फरवरी से 5 मार्च तक चयन पर अंतिम अनुमोदन देगी। इसके बाद चयन आदेश जारी होंगे। चयनित आशा कार्यकर्ताओं की आईडी बनाने के लिए 6 से 20 मार्च तक आशा पोर्टल पर अनुरोध भेजे जाएंगे। दस्तावेजों के सत्यापन और राज्य स्तर से अनुमोदन के बाद आईडी बनाई जाएगी।

### कलेक्टर की निगरानी में होगा चयन

चयन प्रक्रिया कलेक्टर की अध्यक्षता वाली जिला स्वास्थ्य समिति की निगरानी में होगी। स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

**यहां करें आवेदन**

एमपी ई-सेवा पोर्टल : https://eseva.mp.gov.in

# सृजन संवाद की मासिक गोष्ठी सम्पन्न

**इंदौर।** दीप जले तो साथ हमारे मानवता भी मुस्काए
धर्म दया और सत्य का सूरज जग में प्रकाश फैलाये।।

संस्था सृजन संवाद की अक्टूबर माह की मासिक गोष्ठी आभासी पटल पर संपन्न हुई ।

सुषमा व्यास राजनीधि ने सरस्वती वंदना के साथ ही अपनी कविता - मैं हूं नारी शस्य श्यामला भूमि की
पावन घाटी के पुष्प गुच्छ में रहती हूँ एक ओंस कण सी
भारत की नारी कविता के माध्यम से प्रकृति और नारी को लेकर अपनी बात कही ।

डॉ श्वेता चौधरी ने - विजय दीप जलाओ कविता के माध्यम से धर्म और मानवता पर अपनी बात रखते हुए कहा
दीप जले तो साथ हमारे मानवता भी मुस्काए
धर्म दया और सत्य का सूरज जग में प्रकाश फैलाये
शिशिर उपाध्याय ने
दीप की महिमा बताते हुए कहा
एक दीप मैंने रखा
तेरे मन के द्वार
एक दीप तुम भी रखो
हो जाएगा प्यार
वहीं माधुरी व्यास ने
मिट मिट कर हर बार बनती हूँ
,मै मिट्टी हूँ ।
आई हूँ मै मिलने को मैं मिट्टी में, मै मिट्टी हूँ।

मुक्तकों के माध्यम से मिट्टी की महिमा का गायन किया ।

जयश्री उपाध्याय ने भी माटी ओर अपने हाइकु सुनाते हुए कहा कि
हर ईंट तो
बेटी है माटी मां की
घर बनाए

साथ ही देवेंद्र सिंह सिसोदिया, रमेशचंद्र शर्मा, अरुण ठाकरे, दीपक शिरालकर,रागिनी शर्मा मनोज सेवलकर, शशि निगम , मनोहर दुबे, विजय सिंह चौहान और अर्चना मंडलोई, मनीष व्यास , डॉ प्रणव श्रोत्रिय ने रचना पाठ किया । संस्था अध्यक्ष डॉ दीपा मनीष व्यास ने लघुकथा चमकते अरुरु का पाठ कर अंत में आभार व्यक्त किया।

## न्यू होराइजन्स इंटरनेशनल स्कूल में डेंटल केयर कैंप का आयोजन

**राऊ । न्यू होराइजन्स इंटरनेशनल स्कूल में आज विद्यार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं ओरल हाइजीन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से डेंटल केयर कैंप का आयोजन किया गया।**



इस कैंप में कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस एंड हॉस्पिटल, राऊ से आई विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने विद्यार्थियों के दाँतों एवं मसूड़ों का चेकअप किया। इस अवसर पर डॉ. राहुल गनावदिया, डॉ. अम्बर खान एवं डॉ. कुलदीप सेन ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। डॉक्टरों ने बच्चों को नियमित ब्रश करने, दाँतों की सही देखभाल, खान-पान में सावधानी रखने और ओरल हाइजीन बनाए रखने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

चेकअप के दौरान जिन विद्यार्थियों को विशेष देखभाल अथवा उपचार की आवश्यकता पाई गई, उनके पेरेंट्स को भी इसकी जानकारी दी गई। बच्चों के डेंटल हेल्थ से संबंधित परामर्श एवं प्रिस्क्रिप्शन अभिभावकों के साथ साझा किए गए। साथ ही स्कूल के शिक्षकों ने भी पेरेंट्स से संवाद कर बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

प्राचार्या श्रीमती नेहा बाजपेई ने कहा कि हमारा मानना है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चों को किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में जागरूक, स्वस्थ और जिम्मेदार बनाना भी है।

# कवि के. शिवराम कारंत के साहित्यिक कृतित्व पर चर्चा के साथ सम्पन्न हुई कवि गोष्ठी

इन्दौर। प्रसिद्ध कन्नड़ लेखक, नाटककार और पर्यावरणविद् डॉ. कोटा शिवराम कारंत के साहित्यिक कृतित्व पर चर्चा श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इंदौर कालजयी साहित्यकार पुण्यस्मरण में 179वीं श्रृंखला में की गई।





इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन करते हुए साहित्य एवं संस्कृति मंत्री डॉ. पद्मा सिंह ने उनके जीवन चरित्र को प्रस्तुत किया तथा बताया कि 10 अक्टूबर, 1902 में जन्मे कन्नड़ लेखक ने अपने जीवनकाल में बहुत सी ऐसी रचनायें दी जो समाज के लिए मार्गदर्शन का कार्य करने में सक्षम रहीं। उन्होंने डॉ. शिवराम कारंत के सन्दर्भ में जन्म एवं परिवार, शिक्षा एवं व्यवसाय, उनकी प्रमुख साहित्यिक कृतियों, उन्हें प्राप्त सम्मान एवं पुरस्कार आदि के सन्दर्भ में बताया। कवि के सन्दर्भ में चर्चा करते हुए डॉ. सक्सेना ने कहा कि उनका साहित्य आज की पीढ़ी के लिए उपयोगी और विचारोत्तक है। उन्होंने उनके उपन्यास में मूकज्जिय कनसुगलु जिन पर उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था उस पर चर्चा की गई। श्रीमती शैलजा जोशी ने उनके उपन्यास को नई धारा और बदलाव लाने वाला साहित्य बताया।

दूसरे सत्र में आस्था का नाम श्रीराम विषय पर साहित्यकारों ने अपनी रचनाएं पढ़ी, जिसमें श्रीराम के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन हुए। मेजर गुप्ता, रामाश्रय पाण्डे, डॉ. ओम ठाकुर, अतुल देशमुख, कमल कासलीवाल, श्रवण कुमार, देवेश दुबे आदि ने रचनाएं पढ़ीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अरविन्द जवलेकर ने की। आभार उमेश पारेख ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में हेरंभ वाजपेयी, मणिमाला शर्मा, नयन राठी, पंकज जोशी, अमर सिंह आदि काफी संख्या में साहित्यकार उपस्थित थे।